B.El.Ed. 2nd Year

Teaching Subjects of B.El.Ed..2nd Year

1- Theory Papers

	Code No		
Paper VI	EL: 201	Learning among elementary children	- 50 marks
Paper VII	EL: 202	Language Acquiation among elementary children	- 50 marks
Paper VIII	EL: 203	Techniques for develop warm relationship With elementary children	- 50 marks
Paper IX	EL: 204	Identifying gifted, Creative and problem children	- 50 marks
		Total Marks	**200 marks**

2- Practical activities

A	Observing Children	50 marks
B	Self Development Work shop	50 marks
C	Physical Education	50 marks
	Total	**150 marks**

छठा प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

संज्ञान एवं सीखना

(Learning among Elementary Children)

इकाई : १ **कार्यरत मस्तिष्क:** संज्ञान तथा संज्ञान के उपागम, व्यक्तिगत तथा सांस्कृतिक भिन्नताएं।

इकाई : २ **बच्चे किस प्रकार समझते हैं:** प्रारंभिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं – संवेदन, प्रत्यक्षण तथा अवधान।

इकाई : 3 **बच्चे किस प्रकार सीखते तथा याद करते हैं:** मूलभूत प्रक्रियाएं, युक्तियां, ज्ञान परास्मृति समसामयिक मुद्दे।

इकाई : ४ **विकासशील मस्तिष्क:** संकल्पना तथा संकल्पना निर्माण, दिक् काल, संख्या, संबंध आदि की संकल्पनाओं का विकास।

इकाई : ५ **समस्याओं के समाधानकर्ता के रूप में बालक:** तर्क करने तथा निर्णय लेने की क्षमता, विकल्प – पियाजीय तथा नियो–पियाजीय परिप्रेक्ष्य, सृजनशीलता का प्रोत्साहन तथा समस्या समाधान कौशलों का विकास।

इकाई : ६ **सीखने की वैकल्पिक संकल्पनाएं:** सीखने में योगदान देने वाले तत्व – व्यक्तिगत तथा पर्यावरणीय।

इकाई : ७ **बच्चे का व्यक्तिगत और सामाजिक संसार:** संज्ञान तथा संवेग।

सातवां प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

भाषा अर्जन

(Language Acquiation among elementary Children)

इकाई : १ **भाषा और संज्ञान:** भाषा अर्जन की संज्ञानात्मक पूर्वापेक्षाएं, जैविक आधार, भाषा और चिंतन, सहजप्रत्ययवादी प्राक्कल्पना, संज्ञानात्मक, सामाजिक और भाषाई विकास, पियाजीय और वाइगोट्स्कीय परिप्रेक्ष्य।

इकाई : २ **भाषा विकास:** प्रारंभिक चरण और बबलाने की अवधि, भाषा विकास के चरण, मातृबोली और परिचारक-बोली की भूमिका, स्वनप्रक्रिया, रूपप्रक्रिया, वाक्यविन्यास और अर्थविज्ञान, समाजभाषाई पक्ष।

इकाई : ३ **बोधन और अभिव्यक्ति:** प्रत्यक्षण-युक्तियां, वाक्-प्रत्यक्षण और वाक्-बोधन, जटिलता का अहसास, वाक्-अभिव्यक्ति, कोडीकरण और निष्पादन उपाय, भाषा अभिव्यक्ति की त्रुटियों की भूमिका।

इकाई : ४ **पाठन और लेखन के विशेष संदर्भ में भाषा अर्जन के औपचारिक साधन:** पढना और समझना, सुपाठ्यता के माप, मनोयोजना सिद्धांत, बच्चों के साथ क्लोज, श्रुतलेख और अनुवाद का उपयोग, लेखन की क्रियाविधि, प्रतिरूपात्मक पद्धतियां, लेखन शिक्षण।

काई : ५ **भाषाई विकार:** भाषा विकारों के अध्ययन द्वारा भाषा के संबंध में सीखना, मस्तिष्क संरचना और उसके प्रकार्य, प्रावरोध, हकलाना, वाचाघात, मंदबुद्धि बालकों के बीच भाषा।

इकाई २ और ५ के लिए अनुरूपी प्रयोगात्मक गतिविधियॉं होंगी।

अष्टम प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

मानव संबंध एवं सम्प्रेषण

(Techniques for Develop worm Relationship with elementary children)

इकाई : १ **व्यक्तिगत विकास:** स्व, अस्मिता तथा मानव संबंध, मनोविश्लेषणात्मक तथा मानववादी परिप्रेक्ष्य, नारी परिप्रेक्ष्य।

इकाई : २ **सम्प्रेषण:** व्यस्क–शिशु अंतराल, पूर्वधारणाएं और अभिवृत्तियां, संप्रेषण के माध्यम, अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम।

इकाई : ३ **शिक्षा में मानव संबंध:** व्यवहारवादी बनाम मानववादी परिप्रेक्ष्य, समूह अधिगम रचना, तथा आयाम समुदाय संलग्नता।

इस पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई में धारणाओं और प्रक्रियाओं पर चर्चा कार्यशालाओं के माध्यम से की जानी चाहिए जिसमें सैद्धांतिक जानकारी के साथ संबंध स्थापन के बारे में विचार विमर्श किया जाए। पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भी भारतीय परिवेश के अनुरूप होनी चाहिए।

नवम् प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

प्रतिभाशाली, सृजनात्मक एवं समस्यात्मक बालकों की पहचान

(Identifying gifted, creative and problem children)

इकाई : १ **प्रतिभाशाली बालक:** अर्थ एवं परिभाषा, प्रतिभाशाली बालकों की विशेषतायें, प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा, प्रतिभाशाली बालकों की समस्यायें, समस्याओं को दूर करने के उपाय। प्रतिभाशाली बालकों की पहचान।

इकाई : २ **सृजनात्मक बालक:** सृजनात्मक बालकों का अर्थ एवं परिभाषा, सृजनात्मक बालकों की शिक्षा, सृजनात्मक बालकों का परीक्षण, सृजनात्मक बालक और शिक्षक, सृजनात्मक बालकों के विकास के उपाय। सृजनात्मक बालकों की विशेषतायें, सृजनशीलता का मापन, सृजनात्मक बालकों की पहचान।

इकाई : ३ **समस्यात्मक बालक:** अर्थ और परिभाषा, समस्यात्मक व्यवहार के कारण, समस्यात्मक बालकों के प्रकार–१. चोरी करने वाला बालक, चोरी करने के कारण उपचार, २. झूठ बोलने वाला बालक, झूठ बोलने के कारण, उपचार, ३. क्रोध करने वाला बालक, क्रोध व आक्रमणकारी व्यवहार, क्रोध आने के कारण, समस्यात्मक व्यवहार, उपचार, समस्यात्मक बालकों की पहचान।